

मुख्यमंत्री ने नहर परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से और पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाने के निर्देश दिये

सिंचाई विभाग के अधिकारी नहरों को पूरा करने में जिला प्रशासन का सहयोग लें : मुख्यमंत्री

सिंचाई हेतु भूमि अधिग्रहीत करने के लिए अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाये जाने के निर्देश

नहरों की सिल्ट सफाई 30 जून तक पूरी करा ली जाये

ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए अधिकारी इजराइल जाकर इस तकनीक का अध्ययन कर प्रदेश में लागू करें

बाढ़ बाहुल्य क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां बाढ़ से सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम समय से कर लिए जाएं

मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा की

लखनऊ : 13 जून, 2019

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज लोक भवन में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत बाणसागर, अर्जुन सहायक, मध्य गंगा नहर परियोजना-2, सरयू नहर आदि सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री जी द्वारा सभी परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही, उन्होंने बुन्देलखण्ड क्षेत्र की पहुंज बांध स्पिलवे, पहाड़ी आधुनिकीकरण परियोजना तथा जमरार बांध परियोजना की प्रगति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

अधिकारियों को नहर परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से और पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है। इसके दृष्टिगत,

कृषकों को बेहतर सिंचाई सुविधा प्राप्त हो। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों को पूरा करने में जिला प्रशासन का सहयोग लें। उन्होंने सिंचाई हेतु भूमि अधिग्रहीत करने के लिए अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों की सिल्ट सफाई 30 जून, 2019 तक पूरी करा ली जाये। कनहर सिंचाई परियोजना की प्रगति जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसे शीघ्र पूर्ण करा लिया जाये।

ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा दिये जाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसके लिए अधिकारी इजराइल जाकर इस तकनीक का अध्ययन कर इसे प्रदेश में लागू करें। किसानों को ड्रिप सिंचाई के बारे में जागरूक करें। ड्रिप सिंचाई के माध्यम से खेती की उर्वरता को अक्षुण्ण बनाये रखने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ बाहुल्य क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां बाढ़ से सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम समय से कर लिए जाएं। उन्होंने उत्तर प्रदेश वॉटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना के द्वितीय चरण को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस परियोजना के बनने से लाभान्वित होने वाले जनपदों में फतेहपुर, कौशाम्बी, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, ललितपुर, कासगंज, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, औरैया, कानपुर देहात एवं कानपुर नगर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री जी भूजल स्तर पर बल देते हुए कहा कि यदि समय रहते भूजल के स्तर को बनाए रखने की व्यवस्था नहीं की गई तो भविष्य में एक बड़ा संकट खड़ा होगा। इसके लिए भूजल संसाधनों की

सुरक्षा और संरक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल प्रत्यक्ष भूजल रीचार्ज का प्रमुख कारक है। सतही एवं भूजल संसाधनों से की जाने वाली सिंचाई से भी आंशिक रूप से भूजल रीचार्ज होता है। उन्होंने समादेश क्षेत्रों में गूल की जगह पाइप लाइन लगाये जाने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव सिंचाई श्री टी० वेंकटेश ने मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से वित्त पोषित बाण सागर नहर परियोजना द्वारा ०१ लाख ५० हजार १३२ हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित की गई है। इसी प्रकार बुन्देलखण्ड क्षेत्र की वर्षों से लम्बित ०७ परियोजनाओं को पूर्ण किया गया है। इसके माध्यम से २६ हजार २६४ हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित की गयी है तथा ७० हजार लोगों को ३.४९ एम०सी०एम० पेयजल प्राप्त हो रहा है।

इस अवसर पर बाढ़ नियंत्रण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती स्वाती सिंह, सिंचाई राज्यमंत्री श्री बलदेव सिंह ओलख, मुख्य सचिव डॉ० अनूप चन्द्र पाण्डेय, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री संजीव कुमार मित्तल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री एस०पी० गोयल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।